आजा रे कान्हा | By Rajneesh Sharma

आजा रे कान्हा आजा रे आ.....

ब्रज की गलियां राह देखती सांवरिया तेरे आने की
बन के बावरी ढूंढ रही तुझे एक गौरी बरसाने की

वो महलो की रहने वाली गलियों में तुझे ढूंढ रही
हर आने जाने वाले से तेरी खबरिया पूछ रही
तेरी खबरिया पूछ रही .....
कहती कोई खबर सुना दो मेरे श्याम के आने की
बन के बावरी ढूंढ रही तुझे एक गौरी बरसाने की

गऊए रोती मैया रोती ब्रज में आज उदासी है
तेरे दर्शन बिन सांवरिया सब की आँखें प्यासी हैं
सबकी आँखें प्यासी हैं .....
ग्वालों को भी आस है तुझसे प्रीत की रीत निभाने की
बन के बावरी ढूंढ रही तुझे एक गौरी बरसाने की

कह गए आऊंगा कल परसो अब बरसो ही बीत गए
बरस बरस हर एक दिन बीता हम हारे तुम जीत गए
हम हारे तुम जीत गए.....
राधा से कोई सीखे रोमी प्रीत की रीत निभाने की
बन के बावरी ढूंढ रही तुझे एक गौरी बरसाने की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-by-rajneesh-sharma/